ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

'खुशियों को लेकर खड़ा, प्रातः का दिनमान'

कमरों से दिखती नहीं, कहीं किरण की कोर।
मुर्गे भी अब हैं नहीं, बता सकें जो भोर।।

भोर किरण की रश्मियां, खिली खिली है धूप।
ओढ़ चूनरी मखमली, वसुधा लगे अनूप।।

अरुणोदय की अरुणिमा, उदित भानु का भाव।
निज आलस को त्याग कर, दो मूछों पर ताव।

अवनी मुख को चूम कर, किरणें होती लाल।
खगकुल शाखें छोड़कर, मिला रहा है ताल।

मात्र एक ठहराव है, सन्ध्या का अवसान।
खुशियों को लेकर खड़ा, प्रातः का दिनमान।

प्रात काल का है नमन, इसे करें स्वीकार।
शब्दों में लिखते रहें, सारे जग का प्यार।।

राग शिखर पर चढ़ रहे, ले वीणा की डोर।
सुन कोकिल के गीत को, हुई सुहावन भोर।।

अलसायी आँखें मले, बेचैनी की भोर।
सपनीली करवट लिए, गयी निशा झकझोर।।

प्रात काल तक सो रहे, हम फैलाकर टांग।
कानों तक ना पहुंचती, अब मुर्गों की बांग।।

सूरज की पहली किरण, लायी नूतन भोर।
तमस कोहरा छँट गया, गन्धित मन की कोर।

प्रातः किरणें पा हुई, वसुधा भाव विभोर।
मन के उपवन में करें, नर्तन प्रमुदित मोर।

प्रातः वन्दन में सभी, खड़े हुए कर जोर।
वसुधा के कल्याण को, करना नन्दकिशोर।।

डॉ. राजीव कुमार पांडेय

माता का नाम: श्रीमती उमादेवी पाण्डेय
पिता का नाम: स्व.श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय
जन्म तिथि - 05-10-1970
जन्मस्थान- ग्राम व पोस्ट - दरवाह,जनपद-मैनपुरी
शिक्षा- एम.ए. (अंग्रेजी, हिन्दी) बी.एड., पी-एच.डी.
लेखन विधा: गीत, ग़ज़ल, मुक्तक, व्यंग्य, छंद, हाइकु, लेख, कहानी, उपन्यास, ब्लॉग, इंटरव्यू, समीक्षा आदि
प्रकाशित कृतियां:
आखिरी मुस्कान (उपन्यास)
बाँहों में आकाश (उपन्यास)
मन की पाँखें (हाइकु संग्रह)
मन की परतें (कहानी संग्रह)
सम्पादित काव्य संकलन:
शब्दाजंलि, काव्यांजलि,
सृजक, काव्यकुल सृजन, ई बुक, भारत के इक्कीस परमवीर,भारत के भारत रत्न, भारत के अशोक चक्र विजेता,।
विशेष: गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज,
इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज।
*संस्थापक एवं अध्यक्ष: शब्द सृजन संस्थान (पंजीकृत)
*सम्मान एवं उपाधियां
अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त।
*सम्प्रति: प्रधानाचार्य
किसान आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल, शाहपुर बम्हैटा, गाजियाबाद

पता- 1323/भूतल सेक्टर 2 वेवसिटी गाजियाबाद
मोबाइल -9990650570
ईमेल -kavidrrajeevpandey@gmail.com